हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(वसंत)(पाठ 18)(संघर्ष के कारण मैं तुनुकमिजाज हो गयाः धनराज)

(कक्षा 7)

प्रश्न अभ्यास

साक्षात्कार से

प्रश्न 1:

साक्षात्कार पढ़कर आपके मन में धनराज पिल्लै की कैसी छवि उभरती है ? वर्णन कीजिए।

उत्तर 1:

साक्षात्कार पढ़ने के बाद धनराज के बारे में यही छवि उभरती है कि वह एक गरीब परिवार से हैं उनका जीवन अभाव में बीता और उन्होंने अपने संघर्ष के कारण ही हॉकी में इस मुकाम को हासिल किया है । आज भी इतने बड़े मुकाम को हासिल करने के बाद भी वह अपनी जड़ों को नहीं भूले हैं । वह आज भी साधारण जीवन जीते है क्योंकि वह एक सरल भावुक हृदय व्यक्ति हैं।

प्रश्न 2:

धनराज पिल्लै ने जमीन से उठकर आसमान का सितारा बनने तक की यात्रा तय की है। लगभग सौ शब्दों में इस सफर का वर्णन कीजिए।

उत्तर 2:

धनराज पिल्लै का बचपन बड़ी ही गरीबी और अभाव में बीता , उन्होंने बहुत सी मुश्किलों का सामना किया। इतनी गरीबी में वह हॉकी भी नहीं खरीद पाए , इसीलिए उन्होंने अपने भाई की पुरानी हॉकी से ही काम चलाया और कड़ी मेहनत करके 1986 में मणिपुर जूनियर राष्ट्रीय हॉकी टीम में खेलकर उसी वर्ष सीनियर हॉकी टीम के लिए चुन लिए गए। उन्होंने अपने बड़े भाई रमेश के साथ मिलकर मुंबई लीग में बेहतरीन प्रदर्शन किया और 1989 में ऑलविन एशिया कप के लिए चुन लिए गए । इसके बाद वह एक के बाद एक सफलता की सीढ़ियॉ चढ़ते चले गए ।

प्रश्न 3:

'मेरी माँ ने मुझे अपनी प्रसिद्धि को विनम्रता से सँभालने की सीख दी है'। धनराज पिल्लै की इस बात का क्या अर्थ है?

उत्तर 3:

धनराज पिल्लै की मॉ ने उन्हें किसी भी हालत में घमंड से दूर रहने की सीख दी । उनका कहना था कि सफलता पाकर हमें अपनें अतीत को भूल नहीं जाना चाहिए । सम्मान पाकर हमें घमंड नहीं करना चाहिए यदि हम घमंड करेंगे तो लोंगों का आदर और सम्मान नहीं कर पाएंगे यदि प्रसिद्धि और सम्मान को पाना है तो हमेशा विनम्र बने रहना होगा ।

साक्षात्कार से आगे

प्रश्न 1:
ध्यानचंद को हॉकी का जादूगर कहा जाता है। क्यों ? पता लगाइए।

उत्तर 1:
ध्यानचंद हॉकी के प्रसिद्ध खिलाड़ी थे जब वे हॉकी लेकर मैदान में उतरते थे तो वह किस फुर्ती से गेंद को विरोधी के पाले से निकाल लाते थे यह देखते ही बनता था मैदान में उनका खेल देखकर ऐसा लगता था कि मानो गेंद उनकी हाकी से चिपक गई हो और विरोधी टीम को उस गेंद को अपने पास लाना एक ख्वाब सा लगता था ।

प्रश्न 2:
किन विशेषताओं के कारण हॉकी भारत का राष्ट्रीय खेल माना जाता है ?

उत्तर 2:
हाकी एक प्राचीन खेल है इसको खेलने में ज्यादा खर्चा नहीं आता इसीलिए सीमित संसाधनों के होते हुए भी यह स्वास्थ्य और मनोरंजन का आसान माध्यम है। अपनी इन्हीं खूबियों के कारण यह भारत का राष्ट्रीय खेल बन गया ।

प्रश्न 3:
आप समाचार–पत्रों, पत्रिकाओं में छपे हुए साक्षात्कार पढ़ें और अपनी रुचि से किसी व्यक्ति को चुनें, उसके बारे में जानकारी प्राप्त कर कुछ प्रश्न तैयार करें और साक्षात्कार लें।

उत्तर 3:
छात्र अपनी योग्यता और साधन के द्वारा स्वयं इस कार्य को पूर्ण करेंगे ।